मध्यप्रदेश शासन द्वारा स्थापित तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

देवास मार्ग, उज्जैन (म.प्र.)

पाणिनिधारा

त्रैमासिक वार्ता पत्रिका

(फरवरी–अप्रैल 2024)

भारतीय भाषा समिति, नई दिल्ली के सहयोग से विश्वविद्यालय के संस्कृत संवर्द्धन केन्द्र के द्वारा भारतीय अनुवाद कार्यशाला का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र में वक्तव्य देते हुए मा. कुलगुरु जी एवं उपस्थित प्रो. वाई.एस. रमेश, जयपुर, डॉ. पवन व्यास, नई दिल्ली, कुलसचिव तथा कार्यक्रम संयोजक।

कार्यशाला में अध्यापन कार्य कराते प्रो. वाई.एस. रमेश, जयपुर तथा डॉ. पवन व्यास, नई दिल्ली साथ उपस्थित है कार्यशाला संयोजक, समन्वयक तथा अध्येतागण।

कार्यशाला के समापन समारोह में अभ्यर्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान करते हुए प्रो. वाई.एस. रमेश, डॉ. पवन व्यास, प्रो. दिलीप सोनी, कुलसचिव तथा संयोजक एवं अन्य।

उज्जैन पधारे डॉ. मन्था श्रीनिवास, संयुक्त सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को सम्मानित करते हुए मा. कुलगुरु प्रो. विजयकुमार सी.जी. साथ उपस्थित है-डॉ. उपेन्द्र भार्गव, डॉ. योगेश कुमार।

श्रेष्ठ अध्येता अवार्ड एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मा. कुलगुरु को सम्मानित करते प्रो. अखिलेशकुमार पाण्डेय, कुलगुरु विक्रम विश्वविद्यालय तथा डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा, कुलानुशासक एवं संयोजक डॉ. मोहन बैरागी।

जीवाजी वि.वि., ग्वालियर में आयोजित युवा महोत्सव में सहभागिता करते हुए महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन का छात्र दल।

पुस्तकालय प्रभारी डॉ. अजय राठी तथा पुस्तकालय सहायक डॉ. प्रीति उपाध्याय को पुस्तकालय उपयोग हेतु शताधिक ग्रन्थ समर्पित करते हुए मा. कुलगुरु प्रो. विजय कुमार सी.जी.।

ऑल इण्डिया सर्वे ऑन हायर एज्युकेशन मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में अध्यक्षीय वक्तव्य देते प्रो. विजयकुमार सी.जी. मा. कुलगुरु तथा मंचासीन प्रशिक्षक एवं अन्यजन।

संस्कृत भारती द्वारा आयोजित दर्शन शलाका परीक्षा में वि.वि. के शास्त्री तृतीय वर्ष के छात्र श्री सुमित वशिष्ठ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। (पुरस्कार प्राप्त करते हुए श्री सुमित वशिष्ठ)

विक्रम वि.वि. में आयोजित कार्यशाला के अवसर पर पधारे वि.वि. अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रो. एम. जगदीशकुमार से चर्चा करते हुए मा. कुलगुरु जी साथ है कुलसचिव एवं अन्य विद्वान।

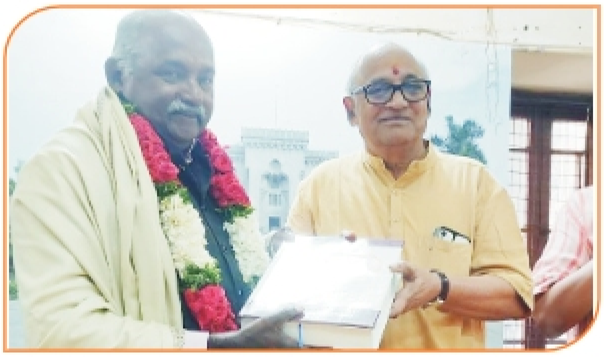

अक्षरवार्ता पत्रिका के संपादक डॉ. मोहन बैरागी जी ने वि.वि. के पुस्तकालय में उपयोग हेतु ग्रन्थों को मा. कुलगुरु जी को समर्पित किया। इस अवसर पर उपस्थित डॉ. उपेन्द्र भार्गव, डॉ. अजय राठी, डॉ. प्रीति उपाध्याय एवं अन्य।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के गुरुवायूर परिसर, केरल में न्याय विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्यातिथि के रूप में मा. कुलगुरु को सम्मानित करते परिसर निदेशक प्रो. गोविन्द पाण्डेय एवं अन्य।

श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत वि.वि., नई दिल्ली के मा. कुलगुरु प्रो. मुरलीमनोहर पाठक को वि.वि. परिसर में सम्मानित करते हुए मा. कुलगुरु प्रो. विजयकुमार सी.जी. एवं वि.वि. परिवार।

उस्मानिया वि.वि., हैदराबाद (आ.प्र.) के संस्कृत विभाग में छात्र उद्बोधन कार्यक्रम में मा. कुलगुरु जी को सम्मानित करते हुए अकादमी के सदस्य तथा उपस्थित छात्रगण।

विश्वविद्यालय के उपकेन्द्र, रीवा में जवाहरलाल नेहरू वि.वि., नई दिल्ली के संस्कृत विभाग प्रमुख प्रो. हरेराम मिश्र को सम्मानित करते हुए, परिसर प्रभारी डॉ. तुलसीदास परौहा तथा अन्य उपस्थित जन।

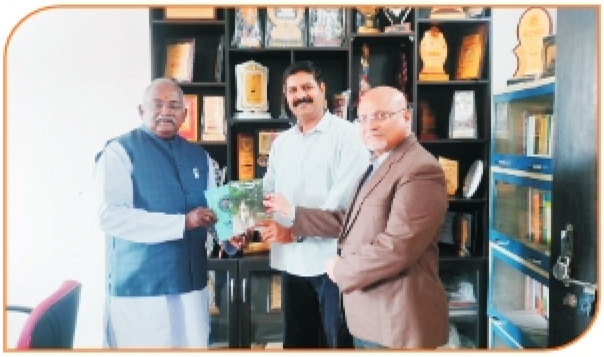

मा. कुलगुरु प्रो. विजयकुमार सी.जी. को डॉ. प्रवीण जोशी, जिला समन्वयक आनंद विभाग, म.प्र. शासन पुस्तकालय उपयोग हेतु ग्रन्थ समर्पित करते हुए, साथ है कुलसचिव प्रो. दिलीप सोनी एवं पुस्तकालय सहायक डॉ. प्रीति उपाध्याय।

शास्त्रार्थ कौशल प्रशिक्षण कार्यशाला में पधारे विद्वानों को सम्मानित करते मा. कुलगुरु, कुलसचिव तथा कार्यशाला संयोजक डॉ. तुलसीदास परौहा।

प्रो. रामकिशोर त्रिपाठी, प्रो. भगवतशरण शुक्ल, डॉ. कार्तिक भागवत, डॉ. संदीप शर्मा आदि विद्वान शास्त्रार्थ सभा में शास्त्र चर्चा करते हुए। साथ उपस्थित है मा. कुलगुरु, कुलसचिव एवं कार्यशाला संयोजक।

अन्ताराष्ट्रीय भारत नेपाल संस्कृत सम्मेलन नेपाल काठमाण्डु में परिचर्चा सत्र में विचार प्रस्तुत करते मा. कुलगुरुजी तथा सम्मानित करते हुए आयोजक मंचासीन है प्रो. लक्ष्मीनिवास पाण्डेय कुलपति एवं अन्य जन।

देवी अहिल्या वि.वि. में आयोजित भारतीय सम्मेलन भाषा सम्मेलन कार्यक्रम में बोलते हुए मा. कुलगुरु प्रो. विजयकुमार सी.जी. तथा प्रो. रेणु जैन, कुलपति अहिल्यादेवी वि.वि., इन्दौर के साथ दीप प्रज्ज्वलन करते हुए तथा मंचासीन अन्य अतिथिगण।

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगाँव, छत्तीसगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में मा. कुलगुरु मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित तथा सम्मानित करते हुए आयोजक एवं मंचासीन अन्य अतिथि।

कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, नागपुर में द्विवसीय पाठ्यक्रम कार्यशाला के उद्घाटन में मा. कुलगुरुजी को सम्मानित करते हुए प्रो. हरेराम त्रिपाठी, मा. कुलगुरु, नागपुर तथा अन्य।

भारतीय भाषा समिति के सहयोग से विश्वविद्यालय के केन्द्र द्वारा श्रीपीताम्बरा पीठ संस्कृत महाविद्यालय, दतिया में आयोजित सरल मानक संस्कृत कार्यशाला में डॉ. उपेन्द्र भार्गव, डॉ. दिनेश चौबे एवं डॉ. राजेश मण्डल को प्रतिमा प्रदान करते हुए प्राचार्य डॉ. हरेन्द्र भार्गव एवं समिति पदाधिकारी तथा समूह चित्र में प्रतिभागीगण एवं महाविद्यालय सदस्य।

अवधेशप्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित मा. कुलगुरु को सम्मानित करते हुए प्रो. राजकुमार आचार्य, कुलपति, रीवा तथा मंचासीन अतिथि।

शासकीय माधव विज्ञान महाविद्यालय, उज्जैन में आयोजित युवा उत्सव में मा. कुलगुरु को सम्मानित करते हुए प्रो. अर्पण भारद्वाज, प्राचार्य तथा विजेता दल को पुरस्कृत करते हुए अतिथि।

विश्वविद्यालय के उपकेन्द्र, रीवा में निरीक्षण हेतु उपस्थित मा. कुलगुरु प्रो. विजयकुमार सी.जी. को सम्मानित करते हुए परिसर प्रभारी डॉ. तुलसीदास परौहा एवं अन्य विद्वान।

शास्त्रार्थ प्रशिक्षण प्रदान करने पधारे विद्वानों को स्मृति चिह्न से सम्मानित करते हुए मा. कुलगुरु, संयोजक तथा उपस्थित आचार्यगण।

पाणिनिधारा

म.प्र. विकलांग सहायता समिति उज्जैन द्वारा ल्युनिमा फेस्ट कार्यक्रम में मा. कुलगुरु प्रो. विजयकुमार सी.जी. विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कुलगुरु का सम्मान करते हुए आयोजक।

अन्ताराष्ट्रिय महिला दिवस पर आयोजित संगोष्ठी में प्रो. अजिता त्रिवेदी, संस्कृत विदुषी को सम्मानित करते हुए मा. कुलगुरु, साथ उपस्थित है - कुलसचिव, संयोजिका, प्रो. सीमा शर्मा, प्राचार्य, शास. संस्कृत महाविद्यालय, उज्जैन।

वक्तव्य प्रदान करती प्रो. अजिता त्रिवेदी तथा मंचासीन मा. कुलगुरु, कुलसचिव एवं संयोजिका, प्राचार्या तथा प्रतिभागीगण।

विश्वविद्यालय के वास्तु विभाग द्वारा आयोजित दिक्साधन के प्रायोगिक परीक्षण के अवसर पर मा. कुलगुरु जी, विभाग प्रमुख, विभागीय आचार्य एवं छात्रगण।

नेपाल भारत संस्कृत सम्मेलन में विद्वानों के साथ उपस्थित मा. कुलगुरु प्रो. विजयकुमार सी.जी. ।

नेपाल में संस्कृत विद्वानों के साथ मा. कुलगुरु।

विक्रमोत्सव 2024 के अन्तर्गत आयोजित व्याख्यान में मुख्यवक्ता के रूप में प्रो. मधुसूदन पेन्ना जी, पूर्व कुलपति, नागपुर एवं अन्य अतिथिगण।

नईदिल्ली में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के मा. कुलपति प्रो. श्रीनिवास बरखेड़ी जी को विश्वविद्यालय की पत्रिका प्रदान करते हुए मा. कुलगुरु प्रो. विजयकुमार सी.जी. ।

विशिष्ट संस्कृत विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. पूजा उपाध्याय को विक्रमोत्सव 2024 के अवसर पर नारी गौरव शक्ति सम्मान से सम्मानित करते हुए प्रो. अखिलेशकुमार पाण्डेय, मा. कुलगुरु विक्रम वि.वि. तथा अन्य।

भारतीय भाषा समिति के सहयोग से वि.वि. के केन्द्र द्वारा श्री सूर्य मण्डल वेद विद्यालय, जिला उज्जैन में आयोजित सरल मानक संस्कृत कार्यशाला में उपस्थित डॉ. अखिलेशकुमार द्विवेदी, डॉ. सदानंद त्रिपाठी, डॉ. संकल्प मिश्र, डॉ. मनोज द्विवेदी, प्रबंधक समन्वयक।

सरल मानक संस्कृत कार्यशाला के उद्घाटन कार्यक्रम में श्री महाकालेश्वर वैदिक शोध संस्थान, उज्जैन में मा. कुलगुरु प्रो. विजयकुमार सी.जी., डॉ. पीयूष त्रिपाठी, निदेशक, डॉ. अखिलेशकुमार द्विवेदी, संयोजक तथा उपस्थित समन्वयक एवं छात्रगण।

आन्तरिक मूल्यांकन हेतु पधारी प्रो. शिवानी वी. विभाग प्रमुख व्याकरण विभाग, कर्नाटक संस्कृत वि.वि., बेंगलुरु एवं प्रो. कविता होले, कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत वि.वि., नागपुर को सम्मानित करते हुए मा. कुलगुरु प्रो. विजयकुमार सी.जी. तथा उपस्थित आचार्यगण।

पाणिनिधारा

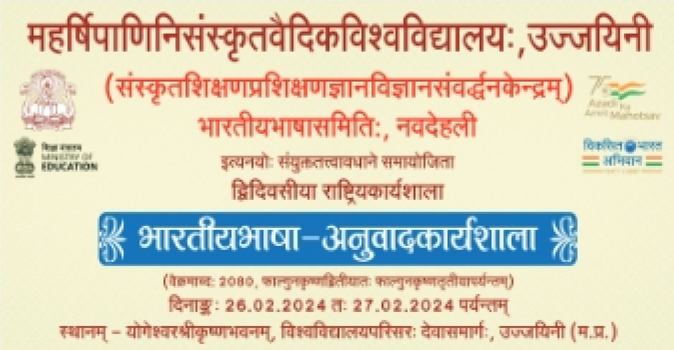
महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः, उज्जयिनी
(संस्कृतशिक्षणप्रशिक्षणज्ञानविज्ञानसंवर्द्धनकेन्द्रम्)
भारतीयभाषासमितिः, नवदेहली
इत्यनयोः संयुक्तत्वावधाने समायोजिता
द्विदिवसीया राष्ट्रियकार्यशाला
भारतीयभाषा-अनुवादकार्यशाला
दिनाङ्कः 26.02.2024 तः 27.02.2024 पर्यन्तम्
स्थानम् - योगेश्वरश्रीकृष्णभवनम्, विश्वविद्यालयपरिसरः देवासमार्गः, उज्जयिनी (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः, उज्जयिनी
(संस्कृतशिक्षणप्रशिक्षणज्ञानविज्ञानसंवर्द्धनकेन्द्रम्)
भारतीयभाषासमितिः, नवदेहली
भारतीयभाषा-अनुवादकार्यशाला

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः
वसन्तपञ्चम्याः
शुभाशयाः
आचार्यः विजयकुमारः सी.जी.
https://www.facebook.com
https://twitter.com/PaniniEvam
Www.Mpsvv.ac.in

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः
वीरभोग्या वसुन्धरा
छत्रपतिशिवाजीमहाराजस्य
जन्मजयन्त्याः शुभाशयाः
आचार्यः विजयकुमारः सी.जी.

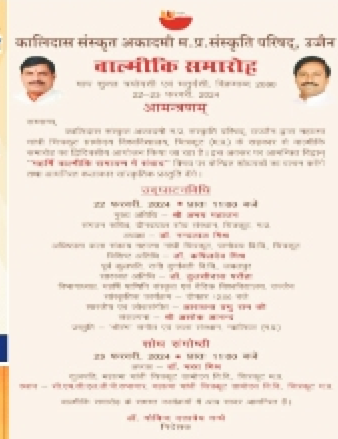
कालिदास संस्कृत अकादमी म.प्र. संस्कृति परिषद्, उज्जैन
वाल्मीकि समारोह
आमन्त्रणम्

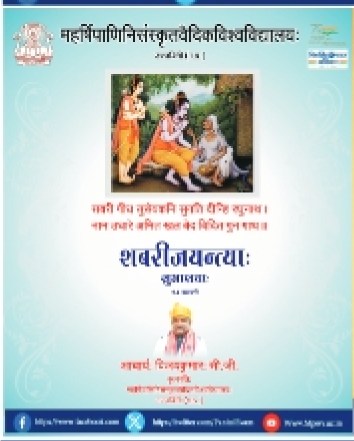
महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः
शबरीजयन्त्याः
शुभाशयाः

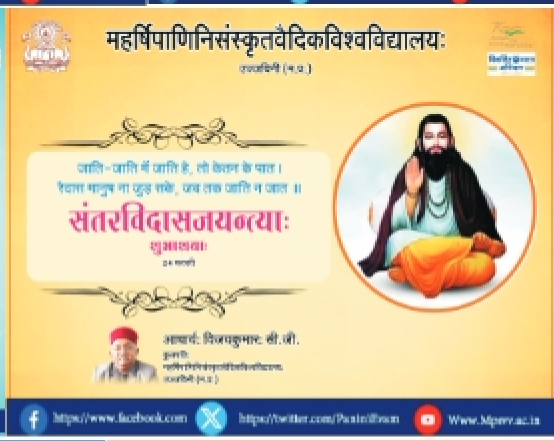
महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः
संतरविदासजयन्त्याः
शुभाशयाः
आचार्यः विजयकुमारः सी.जी.
https://www.facebook.com
https://twitter.com/PaniniEvam
Www.Mpsvv.ac.in

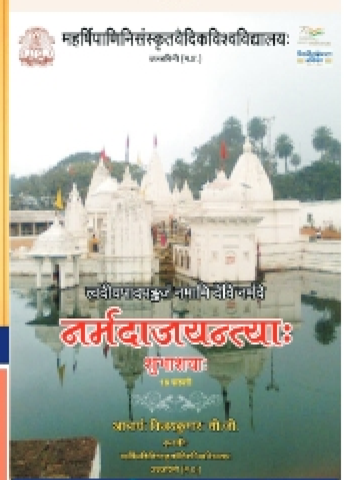
महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः
नर्मदाजयन्त्याः
शुभाशयाः
आचार्यः विजयकुमारः सी.जी.

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः
धर्मार्थकाममोक्षाणाम् आरोग्यं मूलमुत्तमम्।
रोगास्तस्यापहर्तारः श्रेयसो जीवितस्य च ॥
विश्वस्वास्थ्यदिवसस्य
शुभकामनाः
7 अप्रैल 2024
आचार्यः विजयकुमारः सी.जी.
कुलपतिः
महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः
उज्जयिनी (म.प्र.)

Invitation
Vikram University, Ujjain (M.P.)
is organizing a
National Seminar on
Science and Technology in Vikramaditya's Era
You are cordially invited to join us and enrich your knowledge in the presence of our eminent speakers !!
Date : 4th March, 2024
Time : 12.00 Noon
Venue : SOET, Vikram University, Ujjain (M.P.)

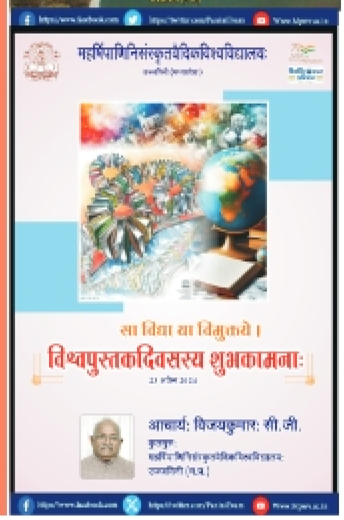
महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः
सा विद्या या विमुक्तये।
विश्वपुस्तकदिवसस्य शुभकामनाः
आचार्यः विजयकुमारः सी.जी.

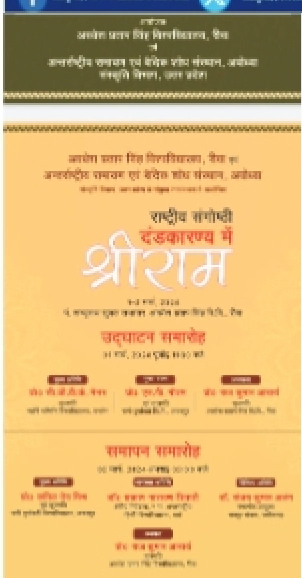

भाषाएं भारतीय कला और संस्कृति की संवर्धक हैं

भारतीय भाषा सम्मेलन में बोले प्रो. विजय कुमार

इंदौर। भारतीय ज्ञान परंपरा में भाषा का अहम महत्व है। हमारी भारतीय संस्कृति की अभिव्यक्ति भाषा ही है। भारतीय भाषाओं में वह शक्ति है, जो हमें विकास का मार्ग दिखाती आई है। यह हमें जोड़ने का काम करती है। [illegible]

उज्जैन की ज्ञान परंपरा अनादि काल से विश्व विख्यात, ज्ञान की सारस्वत साधना सतत चलती रहे -डॉ.व्यास

पाणिनि संस्कृत विवि में राष्ट्रीय भारतीय भाषा अनुवाद कार्यशाला का समापन

भास्कर संवाददाता | उज्जैन

कार्यशाला के समापन पर प्रशिक्षणार्थी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

भारतीय भाषा समिति और महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के संस्कृत शिक्षण-प्रशिक्षण ज्ञान-विज्ञान संवर्धन केंद्र के तत्वावधान में दो दिनी राष्ट्रीय भारतीय भाषा अनुवाद कार्यशाला का मंगलवार को समापन हो गया।

कार्यशाला के संयोजक डॉ. अखिलेशकुमार द्विवेदी ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कार्यशाला में 100 से अधिक विद्यार्थियों ने दोनों दिन अनुवाद की सरल पद्धति के विषय में प्रशिक्षण प्राप्त किया। समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम के सत्राध्यक्ष केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर के शिक्षा शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. वायल रमेश ने उद्बोधन में कहा ऐसी कार्यशालाओं के आयोजन से अनुवाद की प्रक्रिया के विषय में विद्यार्थियों को ज्ञान प्राप्त होता है। इस अवसर पर केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नईदिल्ली के डॉ. पवन व्यास ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा उज्जैन की ज्ञान परंपरा अनादि काल से विश्व विख्यात है। अतः उज्जैन में ज्ञान की सारस्वत साधना सतत चलती रहनी चाहिए। कुलसचिव डॉ. दिलीप सोनी ने भी संबोधित किया। कार्यशाला में अध्येता के रूप में उपस्थित केतन पौराणिक ने अपना अनुभव कथन प्रस्तुत किया। संचालन समन्वयक डॉ. दिनेश चौबे ने किया। आभार वेद विभागाध्यक्ष डॉ. संकल्प मिश्र ने माना। कल्याण मंत्र के साथ कार्यशाला का समापन हुआ।

पीपीटी से सर्वेक्षण, शिक्षक छात्र नामांकन, परीक्षा परिणाम, वित्त का प्रशिक्षण दिया

पाणिनि विश्वविद्यालय में एआईएसएचई प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

भास्कर संवाददाता | उज्जैन

पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विवि में ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन के नोडल अधिकारियों की प्रशिक्षण कार्यशाला में सहभागिता करते अधिकारी।

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय में ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन, [illegible] द्वारा नोडल अधिकारियों की प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का शुभारंभ वैदिक मंगलाचरण, दीपप्रज्वलन, कुलगान से सुबह 11 बजे [illegible] भवन में हुआ। [illegible]

पाणिनिधारा

'Lumia Fest' marks silver jubilee of MP Handicapped Assistance Committee

Guests light a lamp to inaugurate the programme.

FP NEWS SERVICE
Ujjain

On the occasion of the 25th foundation day of Madhya Pradesh Handicapped Assistance Committee, a 'Lumina Fest' cultural evening was organised at Manovikas Special School. On this occasion, state commissioner for disabled persons Sandeep Rajak was present as the chief guest. Special guests include vice-chancellor of Maharishi Panini Sanskrit and Vedic University Prof Vijay Kumar CG, proctor of Vikram University Prof Shailendra Sharma, joint director, social justice and disabled public welfare department, Rajesh Kumar Solanki and social worker Surendra Singh Arora. Dr Sebastian Vadakel, Bishop of Ujjain Diocese presided over the programme.

Father George, director of the committee, welcomed the guests and after this presented the details of the work and achievements of the committee in the last 25 years. He expressed his gratitude for the services of the founding director Father Thomas CT, his associate Subodh Joshi, all the directors and special teachers.

During the programme, disabled children from Ujjain, Rajgarh, Nagda, Tarana, Shajapur, Ratlam, Mandsaur and Agar gave beautiful presentations. The special students' eyesight expressed their views and told how special teachers brought change in the lives of disabled children and made their lives worth living. Students of Manovikas Special Education College presented a drama based on inclusion. Special teachers Aarti Yadav, Lata Gond and Sister Nancy were also honoured for completing 25 years of tenure.

'Lord Krishna is incarnation and originator of all knowledge'

FP NEWS SERVICE
Ujjain

Prof Penna delivering a lecture under Vikramotsav in Ujjain on Friday.

Under Vikramotsav, a discussion was organised on the topic 'The mystery of Shri Krishna's childhood dramas' organised by Tribal Folk Art and Dialect Development Academy, here on Friday.

The main speaker of the seminar was Prof Madhusudan Penna who described Lord Krishna as a symbol of compassion, love and knowledge.

He said that Lord Krishna is the complete incarnation and originator of all knowledge. "He has blessed the world with his pastimes; only a devotee full of pure love can know his pastimes. Since childhood, he has mitigated severe calamities, protected society and established religion. God's pastimes can be known only through knowledge and devotion. His pastime with Radha and gopis is a symbol of selfless, holy love and service, strict decisions for the establishment of religion and the mantra of public service given by religious rule. Lord Shri Krishna is the destroyer of the sins of many births. He is going to quench the ego with his pastimes," he added.

The programme was presided over by the vice-chancellor of Maharishi Panini Sanskrit and Vedic University Prof Vijay Kumar CG. He said that Ujjain is the city of knowledge. Yogeshwar Shri Krishna himself has attained knowledge here.

Rs 19.24 crore tax exemption given on vehicles

The 40-day 'Ujjayini Vikram Trade Fair' is being organised on a large scale in the city. As much as 50 percent discount on lifetime motor vehicle tax is being given on the purchase of new vehicles. A large number of people are coming to the fair and buying vehicles. RTO Santosh Malviya said the discount will be provided in the trade fair till April 9. Till date, consumers have got the benefit of tax of about Rs 19,24,63,881 on motor vehicle tax. Till now, a total of 4,975 vehicles have been sold in the fair which included 3,191 four-wheelers and 1,784 two-wheelers, the officer said.

शास्त्रार्थ कौशल प्रशिक्षण कार्यशाला में विद्वानों ने लिया प्रशिक्षण

विकसित भारत के लिए आवश्यक है कि राष्ट्र का सर्वांगीण विकास हो - कुलपति प्रो. मेनन

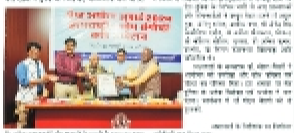

शिव का अर्धनारेश्वर स्वरूप स्त्री पुरुष की समन्वित शक्ति का प्रतीक है -प्रो. अजिता त्रिवेदी

डॉ. दिनेश चौबे

जटिल पक्षों पर शास्त्र प्रतिपादन की शैली से अवगत हुए प्रशिक्षणार्थी

पाणिनि विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

डॉ. दिनेश चौबे
प्राध्यापक, महर्षि पाणिनि संस्कृत वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन

चैतन्य लोक

संस्कृत भाषा में निहित ज्ञान संपदा का अन्य भाषाओं में अनुवाद आवश्यक -प्रो. रमेश

पाणिनि संस्कृत विवि में दो दिवसीय भारतीय भाषा अनुवाद कार्यशाला की शुरुआत

भास्कर संवाददाता | उज्जैन

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के संस्कृत शिक्षण-प्रशिक्षण एवं ज्ञान-विज्ञान संवर्धन केंद्र और केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय की स्वतंत्र संस्था भारतीय भाषा समिति के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय भारतीय भाषा अनुवाद कार्यशाला की सोमवार से शुरुआत हुई।

विश्वविद्यालय के योगेश्वर श्रीकृष्ण भवन में सोमवार सुबह कार्यशाला का शुभारंभ सरस्वती पूजन, दीप प्रज्वलन और वैदिक मंगलाचरण के साथ हुआ। इसके बाद विश्वविद्यालय का कुलगान प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर परिसर के शिक्षा शास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. वायएस रमेश ने कहा एक भाषा से अन्य भाषाओं में अनुवाद की प्रक्रिया में भावानुवाद और शब्दानुवाद पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए, तभी अनुवाद की सार्थकता सिद्ध होती है, अन्यथा अनुवाद अपने मूल अर्थ को नष्ट कर देता है। विशिष्ट अतिथि केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नईदिल्ली के डॉ. पवन व्यास ने कहा संस्कृत भाषा दृष्टि से अत्यंत वैज्ञानिक है। संस्कृत में निहित ज्ञान-विज्ञान का अनुवाद के माध्यम से प्रस्तुतीकरण आवश्यक है। इसमें भारतीय भाषा समिति युद्ध स्तर पर कार्य कर रही है। संचालन डॉ. दिनेश चौबे ने किया। आभार कुलसचिव डॉ. दिलीप सोनी ने माना। कल्याण मंत्र के साथ उद्घाटन सत्र का विराम हुआ।

विवि के योगेश्वर भवन श्रीकृष्ण भवन में कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में संबोधित करते मुख्य अतिथि प्रो. रमेश एवं मंचासीन अन्य अतिथिगण।

भारत भाषा समृद्ध राष्ट्र, यहां विभिन्न भाषाएं बोली जाती है

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. विजय कुमार सीजी ने कहा भारत में विभिन्न प्रकार की भाषाएं बोली जाती हैं। इसलिए भारत भाषा समृद्ध राष्ट्र है। संस्कृत सभी की जननी और भाषाओं की मुकुट है। पूरे विश्व की भाषाएं संस्कृत से प्रायः प्रभावित अथवा उद्भूत है। अनुवाद की सरल विधि छात्र-छात्राओं और शोधार्थियों को बताना चाहिए, तभी अनुवाद करने की प्रक्रिया को बल मिलेगा। कार्यशाला की प्रस्तावना एवं अतिथियों का वाचिक स्वागत संगोष्ठी संयोजक डॉ. अखिलेशकुमार द्विवेदी ने किया। कार्यशाला में संस्कृत से अन्य भाषाओं में अनुवाद की प्रक्रिया को सरलतापूर्वक बताया जाएगा। कार्यशाला में देश के कई विद्वान और शताधिक अध्येता उपस्थित हुए।

वेद और शास्त्रों के रहस्यों को जानने का प्रयास होना चाहिए : प्रो.विरुपाक्ष

पाणिनिधारा

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय में मातृभाषा दिवस मनाया

भाषा विचारों की समन्वयिका और संस्कृति की परिचायिका होती है

भाषाओं के संरक्षण से ही संस्कृतियों का संरक्षण होता है-प्रो. मेनन

भाषाओं के संरक्षण से ही संस्कृतियों का संरक्षण होता है : प्रो.मेनन

पीपीटी से सर्वेक्षण, शिक्षक छात्र नामांकन, परीक्षा परिणाम, वित्त का प्रशिक्षण दिया

पाणिनि विश्वविद्यालय में एआईएसएचई प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

पद्मश्रीः पुरस्काराय नामाङ्कितानां विभूतिनां सम्मानं विहितम्

डॉ.दिनेश चौबे,उज्जयिनी

मध्यप्रदेशस्य मालवाप्रान्तस्य विभूतिद्वय डॉ.भगवतीलाल राजपुरोहितः तथा च श्रीओम प्रकाशशर्ममहोदयः देशस्य प्रतिष्ठितस्य पद्मश्रीः इति पुरस्काराय चयनितौ। गणतंत्रदिवसस्य पूर्वसंध्यायां केंद्रशासनेन इयमुद्घोषणा

कृता। साहित्यं तथा कलायाः क्षेत्रे विशिष्टयवदानाय भारतसर्वकारेण अयं पुरस्कारः प्रदास्यते। अनया वार्तया मालवाप्रान्ते विशेष्य उज्जयिन्याम् उत्सवस्य वातावरणं निर्मितम् अस्ति। सुधीजनाः, कलारसिकाः आनंदिताः उत्साहिताःच स न्ति।अ स्मिन्नवसरेम हर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकं वश्वविद्यालयस्यक ुलपतयः अ ाचार्याः विजयकुमारः सीजी महाभागाः तथा च कुलसचिवाः डॉ. दिलीपसोनीवर्याः सारस्वत-कलासाधकानां विभूतिनां गृहं गत्वा अभिनंदनं सम्माननं च कृतवन्तः। कुलपतिवर्येण शिष्टमण्डलेन सह उपस्थाय उक्त यत् अयमवसरः शिक्षा तथा कलाक्षेत्रे रतानां जनानाङ्कृते गौरवास्पदः वर्तते। आचार्यराजपुरोहिताः साहित्ये, ओमप्रकाशमहोदयाः च (मालवामाच) कलाक्षेत्रे उल्लेखनीयं योगदानं दत्तवन्तः। सम्मानवसरे विश्वविद्यालयस्य वरिष्ठाचार्याः डॉ.अखिलेशकुमार द्विवेदी, डॉ.शुभमशर्मा , डॉ.अजय राठी, एवञ्च डॉ. दिनेश चौबे, डॉ.विजयकुमारः, डॉ.कृष्णकुमारः त्रिपाठि आदयः उपस्थिताः आसन्।

राष्ट्रीय भारतीय भाषा अनुवाद कार्यशाला

संस्कृत व अन्य भाषा के वाक्यों का सही अर्थ व भावार्थ करना सिखाया

उज्जैन @ पत्रिका. नई दिल्ली स्थित भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय के अधीन कार्यरत भारतीय भाषा समिति और महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण ज्ञान विज्ञान संवर्धन केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय भारतीय भाषा अनुवाद कार्यशाला मंगलवार को संपन्न हुई। कार्यशाला संयोजक डॉ. अखिलेशकुमार द्विवेदी ने बताया कि 100 से अधिक विद्यार्थियों ने दोनों दिन अनुवाद की सरल पद्धति का प्रशिक्षण पाया। परीक्षण के बाद विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम के सत्राध्यक्ष केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर के शिक्षाशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. वाईएस रमेश ने कहा कि ऐसी कार्यशालाओं के आयोजन से अनुवाद की प्रक्रिया का विद्यार्थियों को ज्ञान प्राप्त होता हैं। सम्यक अनुवाद से सही अर्थ में वास्तविक रूप प्रस्तुत होता हैं। संचालन समन्वयक डॉ. दिनेश चौबे रहे और आभार वेद विभागाध्यक्ष डॉ. संकल्प मिश्र ने माना। कल्याण मंत्र के साथ कार्यशाला का समापन हुआ।

कुलपति दैनन्दिनी

क्रमांक	दिनांक	विवरण
01	1.2.2024	डॉ. शुभम शर्मा, नैक प्रभारी के साथ चर्चा तथा नैक कार्य की समीक्षा।
02	2.2.2024	विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन में यू.जी.सी., नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में सेंट्रलजोन वाईस चांसलर कॉंफ्रेन्स में उपस्थित रहकर विचार प्रस्तुत किए तथा निर्धारित सत्र की अध्यक्षता की।
03	3.2.2024	डॉ. संकल्प मिश्र, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी (वित्त) के साथ चर्चा।
05	5.2.2024	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गुरुवायुर परिसर केरल के न्याय विभाग द्वारा शक्तिवाद सामान्यकाण्ड और परिशिष्ट काण्ड विषय पर आयोजित सप्त दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहकर वक्तव्य प्रदान किया।
06	6.2.2024	डॉ. दिनेश चौरसिया, वित्त अधिकारी के साथ चर्चा ।
07	7.2.2024	डॉ. उपेन्द्र भार्गव, परीक्षा प्रभारी के साथ चर्चा।
08	8.2.2024	डॉ. संकल्प मिश्र, वित्त अधिकारी केसाथ ऑडिट के सम्बन्ध में चर्चा। समस्त विभागाध्यक्षों के साथ परीक्षा सम्बन्धि चर्चा।
09	9.2.2024	योगेश्वर श्रीकृष्ण भवन में ऑल इण्डिया सर्वे ऑन हायर एज्युकेशन मध्यप्रदेश (AISHE) द्वारा विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों के नोडल अधिकारियों की प्रशिक्षण कार्यशाला में अध्यक्षीय वक्तव्य प्रदान किए।
10	10.2.2024	विश्वविद्यालय के अकादमिक विभाग के कार्यों का निरीक्षण तथा विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी डॉ. अखिलेशकुमार द्विवेदी के साथ चर्चा।
11	12.2.2024	उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद (आन्ध्रप्रदेश) के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित उद्बोधन कार्यक्रम में मुख्यवक्ता के रूप में सभा को सम्बोधित किया तथा संस्कृत अकादमी में विद्वानों के साथ चर्चा।
12	13.2.2024	श्री रामानुज संस्कृत परिसर, रीवा, कैम्पस प्रभारी डॉ. तुलसीदास परौहा के साथ चर्चा।
13	14.2.2024	श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, वेरावल, गुजरात में विश्वविद्यालय की 47वीं अकादमिक परिषद् की संयुक्त बैठक में राज्य सरकार द्वारा नामित सदस्य के रूप में सम्मिलित हुए।
14	15.2.2024	श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, वेरावल, गुजरात में विश्वविद्यालय के दीक्षान्त समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित रहे।
15	16.2.2024	विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. दिलीप सोनी के साथ चर्चा।
16	17.2.2024	विश्वविद्यालय परिसर में निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण तथा निर्माण शाखा प्रमुख डॉ. उपेन्द्र भार्गव के साथ चर्चा।
17	19.2.2024	श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के माननीय कुलपति प्रो. मुरलीमनोहर पाठक जी से विश्वविद्यालय परिसर में सौजन्य भेंट कर संस्कृत संवर्धन विषयक चर्चा।
18	20.2.2024	विद्यावारिधि प्राक्- शोध पाठ्यक्रम में शोधार्थियों को शोध प्रविधि तथा शोध कार्य विषयक विशिष्ट व्याख्यान प्रदान किया।
19	21.2.2024	अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के शोध विभाग द्वारा आयोजित विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम में अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहकर उद्बोधन प्रदान किया।
20	22.2.2024 एवं 23.2.2024	राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल में माननीय राज्यपाल महोदय की अध्यक्षता में जनजातीय विषयों पर संचालित अध्ययन एवं शोध पाठ्यक्रम के संदर्भ में आयोजित बैठक में सम्मिलित रहे।
21	24.2.2024	विभागाध्यक्षों के साथ पृथक-पृथक विचार कर विभागीय गतिविधियों के विषय में वार्षिक कैलेण्डर निर्माण के संदर्भ में चर्चा की।
22	25.2.2024	विक्रम विश्वविद्यालय अक्षरवार्ता अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका तथा कृष्णवसन्ती शैक्षणिक एवं सामाजिक जनकल्याण समिति उज्जैन के द्वारा 2024 का अक्षरवार्ता अन्तर्राष्ट्रीय शिखर सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित रहकर सभा को सम्बोधित किया।
23	26.2.2024	भारतीय भाषा अनुवाद कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहकर वक्तव्य प्रदान किया।
24	27.2.2024 एवं 28.2.2024	माननीय मुख्यमंत्री जी के मुख्यातिथ्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परम्परा के विविध विषयों पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में सम्मिलित हुए।
25	29.2.2024	विश्वविद्यालय के नवीन परिसर श्री रामानुज संस्कृत परिसर, रीवा का निरीक्षण किया तथा परिसर प्रभारी से परिसर के विकास तथा अध्यापन के संदर्भ में चर्चा की।

कुलपति दैनन्दिनी

क्रमांक	दिनांक	विवरण
01	1.3.2024	अवधेशप्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा एवं अन्तर्राष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान, उत्तरप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित द्विवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी दण्डकारण्य में श्रीराम विषय पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के उपस्थित रहकर उद्घाटन सत्र को सम्बोधित किया।
02	2.3.2024	अलंकारशास्त्र विमर्श विषयिका अष्टदिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में अध्यक्षीय उद्बोधन प्रदान किया।
03	4.3.2024	कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक के वेदांग ज्योतिष विभाग द्वारा आयोजित द्विवसीय पचांग कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में वक्तव्य प्रदान किया।
05	5.3.2024	अलंकार शास्त्र विमर्श कार्यशाला में उपस्थित रहकर प्रतिभागियों को मार्गदर्शन प्रदान किया।
06	6.3.2024	अलंकार शास्त्र विमर्श अष्टदिवसीय कार्यशाला में उद्बोधन प्रदान किया।
07	7.3.2024	शासकीय दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनन्दगाँव, छत्तीसगढ़ में संस्कृत विभाग द्वारा भारतीय ज्ञान परम्परा विकसित भारतस्य परिकल्पना इस विषय पर एक दिवसीय बहुविषयक राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्यवक्ता के रूप में उद्बोधन दिया ।
08	8.3.2024	विश्वविद्यालय परिसर में स्थित श्री पाणिनीश्वर मंदिर में लोकमंगल हेतु आयोजित रूद्राभिषेक अनुष्ठान में विश्वविद्यालय परिवार के साथ पूजन-अर्चन किया।
09	9.3.2024	अलंकारशास्त्र विमर्श अष्टदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के समापन सत्र में अध्यक्षीय उद्बोधन प्रदान किया।
10	11.3.2024 एवं 12.3.2024	विद्यावारिधि प्राक्शोध पाठ्यक्रम में शोधार्थियों को शोध प्रविधि तथा शोध कार्य विषयक विशिष्ट व्याख्यान प्रदान किया।
11	13.3.2024	1 - अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्र विकास में मेरी भूमिका विषय पर परिसंवाद कार्यक्रम में अध्यक्षता करते हुए सभा को सम्बोधित किया। इस अवसर पर प्रो. अजिता त्रिवेदी, सेवानिवृत्त संस्कृत विदुषी, उज्जैन को सम्मानित किया। 2- मध्यप्रदेश शासन द्वारा आभासीय पटल माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री, माननीय मुख्यमंत्री जी का वक्तव्य विश्वविद्यालय के सदस्यों के साथ श्रवण किया। 3- ग्रामवास्तु प्रेक्षण परियोजना प्रशिक्षण कार्यशाला के उद्घाटन कार्यक्रम में आभासीय पटल माध्यम से अध्यक्षीय उद् बोधन प्रदान किया।
12	14.3.2024	देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर में भारतीय भाषा समिति, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित भारतीय भाषा सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहकर उद्बोधन प्रदान किया।
13	15.3.2024	1- समस्त विभागाध्यक्षों के साथ नैक, दीक्षान्त तथा अन्य विषयों के सन्दर्भ में चर्चा। 2- विक्रमोत्सव-2024 के अंतर्गत श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का रहस्य विषयक व्याख्यान योगेश्वर श्रीकृष्ण भवन में कार्यक्रम के अवसर पर अध्यक्षीय उद्बोधन प्रदान किया। 3- प्रो. मधुसूदन पेन्ना, पूर्व कुलपति कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, नागपुर के साथ सौजन्य भेंट एवं श्री पेन्ना जी को सम्मानित किया एवं संस्कृत आधारित नीतियों पर चर्चा की।
14	16.3.2024	उत्तरप्रदेश के संस्कृत संस्थान द्वारा संस्कृत सम्भाषण कक्षा के अन्तर्गत बौद्धिक सत्र में मुख्यवक्ता के रूप में आभासीय पटल माध्यम से व्याख्यान प्रदान किया।
15	18.3.2024	1- नैक निकष के दल प्रमुखों के साथ एस.एस.आर. के संदर्भ में चर्चा। 2- राष्ट्रीय शास्त्रार्थ प्रशिक्षण कार्यशाला में व्याकरण विषयक व्याख्यान प्रदान किया।
16	19.2.2024	1- राष्ट्रीय शास्त्रार्थ कौशल प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु उपस्थित डॉ. राजेन्द्र जैन, नागपुर, डॉ. सन्दीप शर्मा, उज्जैन एवं अन्य विद्वानों के साथ सौजन्य भेंट तथा सम्मान किया। 2- विश्वविद्यालय के वास्तु विभाग द्वारा आयोजित भारतीय ज्योतिष एवं वास्तु के दिक् साधन विषय पर आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन प्रदान किया।
17	20.3.2024	1-मध्यांचल प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी भोपाल, चयन समिति के विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में सम्मिलित हुए। 2- म.प्र. विकलांग सहायता समिति, उज्जैन में बौद्धिक एवं अन्य विकासात्मक विकलांगताओं से पीड़ित रोगियों के लिए कार्यरत समिति के 25वर्ष पूर्ण होने पर मनोविकास विशेष विद्यालय में दिव्यांग बच्चों एवं युवाओं का सांस्कृतिक कार्यक्रम ल्यूनिमा फेस्ट में मुख्य अतिथि के रूप में उद्बोधन प्रदान किया।

कुलपति दैनन्दिनी

क्रमांक	दिनांक	विवरण
18	21.3.2024	राष्ट्रीय शास्त्रार्थ कौशल प्रशिक्षण कार्यशाला में व्याकरण विषयक व्याख्यान प्रदान किया।
19	22.3.2024	शासकीय पी.जी. कॉलेज, उज्जैन के वार्षिक उत्सव समारोह अनुगूँज में मुख्यातिथि के रूप में सम्मिलित होकर व्याख्यान दिया एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम में सहभागिता कर वृक्ष रोपित किए।
20	23.3.2024	प्राक्-शोध पाठ्यक्रम में विद्यावारिधि के शोधार्थियों को शोधप्रविधि एवं पाण्डुलिपि पर व्याख्यान प्रदान दिया।
21	26.3.2024	पुस्तकालय समीक्षा एवं आगामी दीक्षान्त समारोह के संदर्भ में विभाग प्रमुखों से चर्चा ।
22	27.3.2024 एवं 28.3.2024 29.3.2024	अन्तर्राष्ट्रीय नेपाल-भारत-संस्कृत-सम्मेलन, काठमाण्डु नेपाल में आयोजित सम्मेलन में सहभागिता एवं निर्धारित सत्र में अपने विचार प्रस्तुत किए तथा स्थानीय विद्वानों के साथ सम्वाद किया।
23	1.4.2024	1-निर्माण कार्य का निरीक्षण एवं निर्माण प्रभारी के साथ चर्चा। 2- विभागाध्यक्षों के साथ आगामी प्रकल्पों /कार्यक्रमों के संदर्भ में बैठक की अध्यक्षता की।
24	2.4.2024	1-प्राक् शोध पाठ्यक्रम में विद्यावारिधि के शोधार्थियों को शोध प्रविधि एवं पाण्डुलिपि के विषय में व्याख्यान प्रदान दिया। 2- डॉ. शुभम् शर्मा, नैक प्रभारी के साथ चर्चा एवं नैक कार्य की समीक्षा।
25.	3.4.2024	प्राक् शोध पाठ्यक्रम में विद्यावारिधि के शोधार्थियों को शोध प्रविधि एवं पाण्डुलिपि के विषय में व्याख्यान दिया।
26.	4.4.2024	1- प्रो. कविता होले, नागपुर तथा प्रो. वी. शिवानी जी, बेंगलुरु के साथ बैठक। 2- सम्पूर्ण नैक निकष कार्य का विशेषज्ञ के साथ उपस्थित रहकर कार्य का अवलोकन किया।
27	5.4.2024	1- यू.जी.सी. संदर्भित शोध पत्रिका पाणिनीया के सम्पादक मण्डल के साथ प्रकाशन सम्बन्धी बैठक।
28	6.4.2024	साहित्य विभाग के तत्वावधान में आभासीय पटल माध्यम से आयोजित ध्वनि पदार्थ विमर्श विषय पर संरक्षक के रूप में उद्बोधन दिया।
29	8.4.2024	श्री महाकालेश्वर वैदिक शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान, चिंतामण गणेश मार्ग, उज्जैन में विश्वविद्यालय के केन्द्र एवं भारतीय भाषा समिति, नई दिल्ली के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित एक दिवसीय सरलमानक संस्कृत कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में अध्यक्षीय उद्बोधन दिया।
30	12.4.2024	पुस्तकालय प्रभारी डॉ. अजय राठी एवं प्रीति उपाध्याय के साथ पुस्तकालय विषयक चर्चा।
31	13.4.2024	दर्शन विभाग के तत्वावधान में आभासीय पटल के माध्यम से आयोजित विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम में संरक्षक के रूप में उद्बोधन दिया।
32	15.4.2024	डॉ. अखिलेशकुमार द्विवेदी, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी अकादमिक के साथ चर्चा एवं परीक्षा प्रभारीडॉ. उपेन्द्र भार्गव के साथ चर्चा।
33	16.4.2024	श्री रामानुज संस्कृत परिसर, रीवा कैम्पस प्रभारी डॉ. तुलसीदास परौहा जी के साथ चर्चा।
34	18.4.2024	डॉ. उषा नायर, सदस्य राज्य स्तरीय नैक प्रकोष्ठ भोपाल, मध्यप्रदेश एवं एस.डी.पी. नैक सेल सदस्यों के साथ बैठक में सम्मिलित हुए तथा सत्रवार प्रेजेन्टेशन एवं समीक्षा सत्र में उपस्थित रहे।
35	20.4.2024	नवीन सत्र में प्रवेश प्रक्रिया तथा वार्षिक कैलेण्डर के संदर्भ में विभागाध्यक्षों के साथ चर्चा।
36	22.4.2024	समस्त विभागाध्यक्ष एवं नैक निकष के संयोजकों के साथ बैठक।
37	25.4.2024	पी.एचडी. रिसर्च मीट में सम्मिलित हुए तथा नैक कार्य का अवलोकन किया गया।
38	26.4.2024	पी.एचडी. कोर्स वर्क की कक्षा में उद्बोधन एवं प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन दिया।
39	27.4.2024	पी.एचडी. कोर्स वर्क में व्याख्यान प्रदान किया एवं नैक कार्य पर चर्चा।
40	28.4.2024	नैक कार्य की समीक्षा तथा प्रेजेन्टेशन अवलोकन किया।
41	29.4.2024	पी.एचडी. कोर्स वर्क की कक्षा में मार्गदर्शन एवं त्रिवेणी विहार संग्रहालय में श्री महाकाल मंदिर सोमयाग पर चर्चा।
42	30.4.2024	1- पी.एचडी. कोर्स वर्क की कक्षा ली। 2- नॉन टेक्नीकल स्टॉफ के साथ मिटिंग। 3- यू.जी.सी. स्टेट यूनिवर्सिटी ऑनलाईन इंट्रक्शन प्रोग्राम में उद्बोधन।

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
प्रवेश प्रारम्भ
2024-2025
वेद विभाग
योग: कर्मसु कौशलम्
योग विभाग
शिक्षाशास्त्र विभाग
B.A. B.Ed.
प्रवेश प्रक्रिया मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग के अधीन।

(मध्यप्रदेश शासन द्वारा स्थापित तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से मान्यता प्राप्त)

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

विकसित भारत अभियान

देवासमार्ग, उज्जैन (म.प्र.)

E-mail : regpsvvmp@rediffmail.com ❊ Website : www.mpsvv.ac.in

सत्र 2024-2025 राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रम

प्रवेश प्रारम्भ

स्नातकोत्तर (PG)
CBCS पाठ्यक्रम

आचार्य

अवधि-4 सेमेस्टर, प्रवेशार्हता-शास्त्री/किसी भी विषय से स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण

1- शुक्लयजुर्वेद
2- नव्यव्याकरण
3- साहित्य
4- न्यायदर्शन
5- अद्वैत वेदान्त दर्शन
6-फलित ज्योतिष
7-सिद्धान्त ज्योतिष
8- प्राचीन व्याकरण

एम.ए.

अवधि-4 सेमेस्टर, प्रवेशार्हता-किसी भी विषय से स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण

1- वास्तुशास्त्र
2- ज्योतिर्विज्ञान
3- संस्कृत
4- योग
5- वैदिक अध्ययन
6- हिन्दू अध्ययन

एम.एस.सी. योग

1- योग विज्ञान

अवधि-4 सेमेस्टर, प्रवेशार्हता-बीएससी परीक्षा उत्तीर्ण

बी.पी.ई.एस.
(शारीरिक शिक्षा एवं खेल)

अवधि 4 वर्ष, प्रवेशार्हता उत्तरमध्यमा/ हायर सेकेण्डरी उत्तीर्ण

स्नातक (UG)
CBCS पाठ्यक्रम

शास्त्री

अवधि-4 वर्ष, प्रवेशार्हता-उत्तरमध्यमा/हायर सेकेण्डरी परीक्षा उत्तीर्ण

वैकल्पिक शास्त्रीय विषय	वैकल्पिक आधुनिक विषय
1- शुक्लयजुर्वेद	1- कर्मकाण्ड विधान
2- नव्यव्याकरण	2- हिन्दी
3- प्राचीन व्याकरण	3- अंग्रेजी
4- साहित्य	4- कंप्यूटर एप्लीकेशन
5- न्यायदर्शन	5- संगीत
6- अद्वैत वेदान्त दर्शन	
7-फलित ज्योतिष	
8-सिद्धान्त ज्योतिष	

शास्त्री+शिक्षाशास्त्री B.A. B.Ed. (स्नातक)

अवधि-4 वर्ष, प्रवेशार्हता-उत्तरमध्यमा/हायर सेकेण्डरी परीक्षा उत्तीर्ण

मुख्य विषय	वैकल्पिक विषय
1- शिक्षाशास्त्र	1- कर्मकाण्ड विधान
2- शास्त्री की तालिका में से किसी एक मुख्य विषय का चयन कर सकते हैं।	2- हिन्दी
	3- अंग्रेजी
	4- कंप्यूटर एप्लीकेशन
	5- संगीत

बी.ए. ऑनर्स

अवधि-4 वर्ष, प्रवेशार्हता-उत्तरमध्यमा/हायर सेकेण्डरी परीक्षा उत्तीर्ण

मुख्य विषय	वैकल्पिक विषय
1- संस्कृत	1- कर्मकाण्ड विधान
2- योग	2- हिन्दी
	3- अंग्रेजी
	4- कंप्यूटर एप्लीकेशन
	5- संगीत

स्नातक (UG)

डिप्लोमा

अवधि - 1 वर्ष, प्रवेशार्हता-उत्तरमध्यमा/हायर सेकेण्डरी परीक्षा उत्तीर्ण

1- मंदिर प्रबन्धन
2- संस्कृत सम्भाषण
3- ज्योतिर्विज्ञान
4- योग
5- वैदिक गणित
6- वास्तु
7- पर्यटक मार्गदर्शन
8- श्रीमद्भगवद्गीता
9- पौरोहित्य (कर्मकाण्ड)
10- धर्मशास्त्रीय ज्योतिष
11- खगोल एवं वेध परम्परा
12- देव प्रतिमा एवं चित्र विधान
13- कृषि ज्योतिष
14- भारतीय गणित
15- पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान
16- योग, आहार एवं पोषण

स्नातकोत्तर (PG)

डिप्लोमा

अवधि - 1 वर्ष, प्रवेशार्हता-किसी भी विषय से स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण

1- योग
2- पीजीडीसीए
3- पौरोहित्य (कर्मकाण्ड)
4- नाट्यशास्त्र और रंगमंच
5- वैदिक विधिशास्त्र एवं तर्कशास्त्र
6- संस्कृत पत्रकारिता एवं जनसंचार
7- वैदिक भौतिक विज्ञान

विद्यावारिधि (Ph.D.)

समस्त विभागों से सम्बन्धित शोध प्रवेश परीक्षा का विज्ञापन यथासमय अवलोकन करें।

संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण तथा ज्ञानविज्ञान सम्वर्द्धन केन्द्र द्वारा संचालित

- संस्कृत सम्भाषण शिविर
- विद्वानों के विशिष्ट व्याख्यान
- सांध्यकालीन संस्कृत विद्यालय (प्रतिदिन)
- प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (यथासमय विज्ञापन)

इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय के पोर्टल www.mpsvv.ac.in के माध्यम से ऑनलाइन प्रवेश प्राप्त करें।

उपलब्ध सुविधाएँ

- योग्य तथा प्रशिक्षित प्राध्यापकों द्वारा गुरुकुल वातावरण में अध्ययन-अध्यापन।
- छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु नवोन्मेषी कार्यक्रम।
- मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रदत्त समस्त छात्रवृत्तियों की सुविधाएँ।
- मुख्यमंत्री संबल योजना/मेधावी विद्यार्थी योजना आदि का लाभ।
- अध्ययन हेतु समृद्ध पुस्तकालय।
- ख्याति प्राप्त विषय-विशेषज्ञ विद्वानों के विशिष्ट व्याख्यान।
- सर्वसुविधायुक्त खेल मैदान।
- कम्प्यूटर प्रयोगशाला।
- NSS तथा NCC की सुविधाएँ।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :

विभाग	सम्पर्क
वेद विभाग	डॉ. संकल्प मिश्र, मो. 8827087772; डॉ. पतंजलिकुमार पाण्डेय, मो. 9993067122
व्याकरण विभाग	डॉ. अखिलेशकुमार द्विवेदी, मो. 8982314123; श्री अनुरुद्ध त्रिपाठी, मो. 8802304494
साहित्य विभाग	डॉ. तुलसीदास परोहा, मो. 9479479986; डॉ. अखिल मुवेल, मो. 8349957491
विशिष्ट संस्कृत विभाग	डॉ. पूजा उपाध्याय, मो. 9827638079; डॉ. अजय राठी, मो. 9993147135
योग विभाग	डॉ. वरुण आहूजा, मो. 9009043430; डॉ. रघुवीर सिंह, मो. 7247367872
ज्योतिर्विज्ञान एवं वास्तु विभाग	डॉ. शुभम् शर्मा, मो. 9425464550; डॉ. विजयकुमार शर्मा, मो. 9805616765
शिक्षाशास्त्र विभाग	डॉ. विश्वामित्र राय, मो. 7290833831; डॉ. शंकर वेरा, मो. 7407276454
ज्योतिष विभाग	डॉ. उपेन्द्र भार्गव, मो. 7987559065; डॉ. योगेश कुमार, मो. 8109792047
दर्शन विभाग	डॉ. शैवाल आचार्य, मो. 98275366501; डॉ. सन्दीप शर्मा, मो. 8120309220
संस्कृत संवर्द्धन केन्द्र	डॉ. दिनेश चौबे, मो. 8839473847

Design By : Devisingh

- संरक्षक : प्रो. विजयकुमार सी.जी., मा. कुलगुरु
- प्रकाशक : प्रो. दिलीप सोनी, कुलसचिव
- सम्पादक : डॉ. अखिलेशकुमार द्विवेदी, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी (अकादमिक)
  डॉ. दिनेश चौबे, (प्र.) जनसम्पर्क अधिकारी

https://www.facebook.com
https://twitter.com/PaniniEvam
Www.Mpsvv.ac.in

- E-mail : regpsvvmp@rediffmail.com, mpsvv.vco@gmail.com
- Website : www.mpsvv.ac.in